जिलास्तरीय युवा उत्सव | केंद्रीय विश्वविद्यालय में उत्सव का आयोजन, मुख्य अतिथि डॉ. ओ.पी. यादव ने कहा

किताबी ज्ञान के साथ व्यक्तित्व विकास में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का योगदान अहम

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

सांस्कृतिक कार्यक्रम हमारी संस्कृति का आइना होते हैं। किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रतिभागिता करने से व्यक्ति का बौद्धिक विकास भी होता है।

उक्त विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जांट -पाली में खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग की ओर से आयोजित जिलास्तरीय युवा उत्सव के शुभारंभ अवसर पर आरपीएस ग्रुप ऑफ एजुकेशन के संस्थापक निदेशक डॉ. ओ.पी. यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए व्यक्त किए। विभाग के युवा एवं सांस्कृतिक अधिकारी अनिल कौशिक ने इस मौके पर युवा उत्सव की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि युवा राष्ट्र की नई पगडंडियों की खोज करने में सक्षम है इसलिए युवाओं को आगे आकर राष्ट्र के आइने के रूप में स्थापित होना चाहिए। स्मरण रहे कि जिला स्तरीय युवा उत्सव में 18 अलग-अलग सांस्कृतिक विधाओं में प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। विजेता टीमें 6 से 8 नवंबर तक अंबाला में होने वाले राज्य युवा उत्सव में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के संकाय अध्यक्ष प्रो. आशीष दहिया ने की।

महेंद्रगढ़. केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित युवा महोत्सव कार्यक्रम के दौरान नाटक ढोवा टेक सिंह की प्रस्तुति देते छात्रा। कार्यक्रम में हरियाणवी नृत्य प्रस्तुत करती छात्राएं।

नाटक टोबा टेक सिंह ने की आंखें नम

राजकीय महाविद्यालय नारनौल की ओर से प्रस्तुत नाटक 'टोबा टेक सिंह' के मंचन ने सभागार में बैठे दर्शकों की आंखों को नम कर दिया। नाटक के माध्यम से संदेश दिया गया कि सीमाओं के साथ-साथ इंसान को बांटना बंद किया जाए। भारत-पाक विभाजन की त्रासदी पर आधारित नाटक में इंसानियत को नहीं बांटे जाने का संदेश दिया। वहीं रंगीला ग्रुप महेंद्रगढ़ द्वारा प्रस्तुत नाटक में हरियाणवी संस्कृति को दर्शाते हुए हमारे बिगड़ते हुए संस्कारों पर बखूबी व्यंग्य कसा गया।

व्याख्यान के माध्यम से व्यवस्था परिवर्तन की मांग

तात्कालीन व्याख्यान में प्रतिभागियों ने राष्ट्र के अनेक ज्वलंत मुद्दों पर बेबाक तरीके से अपने विचार रखते हुए व्यवस्था परिवर्तन की मांग की। कार्यक्रम में जहां गिटार के माध्यम से नारनौल व केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रतिभागियों ने अपनी उंगलियों की हरकतों से संगीत साधना की। वहीं हरमोनियम लाइट व तबले की प्रतियोगिता में भी प्रतिभागियों ने अपनी-अपनी कला का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर डॉ. वीर सिंह, डॉ. मनोज, डॉ. रेनू, डॉ. सिद्धार्थ, डॉ. दिनेश चहल, डॉ. आरती, सुदीप, विनय, वाईसीओ संदीप संधी, केसरी नंदन व शिक्षक, विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सभागार में आज जिलास्तरीय युवा उत्सव में कलाकारों ने जहां नाटक के माध्यम से अभिनय की सुंदर-सुंदर प्रस्तुतियां दीं। वहीं, लोकनृत्य व लोकगीत के माध्य से प्रदेश की लोक संस्कृति से अवगत कराया। युवा उत्सव में देश की एकता और अनेकता का चित्रण करते हुए उत्तर, पूर्व, पश्चिम व दक्षिण भारत की सांस्कृतिक विरासत का सुंदर मिश्रण भी देखने को मिला। कहीं गिटार की धुन, तबले की थाप, हारमोनियम के स्वरों ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम में भारतीय लोक संस्कृति की परिचायक शास्त्रीय नृत्य, कथक, भरत नाट्यम व उड़ीसा नृत्य पर भी कलाकारों ने अपनी-अपनी सुंदर प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। इसी विधा को आगे बढ़ाते हुए राजकीय महिला महाविद्यालय की छात्रा ईशा सिंह ने भारतीय सांस्कृतिक संगीत में रागों की समावेशता प्रस्तुत कर भारत के संगीत को नमन किया। इसी तरह हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय व नारनौल से आए सांस्कृतिक संगीत के प्रतिभागियों ने भी सुर साधना का जमकर परिचय दिया।

जिला स्तरीय युवा उत्सव में युवक-युवतियों ने शानदार प्रस्तुति दी

सांस्कृतिक कार्यक्रम संस्कृति का आईना

डा. ओपी यादव ने कहा कि महेंद्रगढ़ जिला किसी समय पिछड़ा कहा जाता था परंतु अब यह क्षेत्र शिक्षा का हब बन चुका है।

हरिभूमि न्यूज .महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। नाटक प्रस्तुत करते हुए और हरियाणवी गीत पर प्रस्तुति देते हुए। फोटो हरिभूमि

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय जाट-पाली में बुधवार को शुरू हुए दो दिवसीय जिला स्तरीय युवा उत्सव में युवक-युवतियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति देकर समा बांध दिया। उत्सव का शुभारंभ बतौर मुख्यातिथि आरपीएस ग्रुप ऑफ एजुकेशन के संस्थापक के डा. ओपी यादव ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. आशीष दहिया ने की। इस मौके पर मुख्यातिथि यादव ने अपने संबोधन में कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम हमारे संस्कृति का आईना होते हैं। किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रतिभागिता करने से व्यक्ति का बौद्धिक विकास भी संभव होता है। उन्होंने कहा कि महेंद्रगढ़ जिला किसी समय पिछड़ा कहा जाता था परंतु अब यह क्षेत्र शिक्षा का हब बन चुका है तथा यहां के युवाओं ने शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। विभाग के युवा एवं सांस्कृतिक अधिकारी अनिल कौशिक ने इस अवसर पर युवा उत्सव की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि युवा राष्ट्र की नई पगडंडियों की खोज करने में सक्षम है इसलिए युवाओं को आगे आकर राष्ट्र के आईने के रूप में स्थापित होना चाहिए। युवा उत्सव में 18 अलग- अलग सांस्कृतिक विधाओं में प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। विजेता टीमें 6 से 8 नवंबर तक अंबाला में आयोजित राज्य युवा उत्सव में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के संकाय अध्यक्ष प्रो. आशीष दहिया ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि हमें हार-जीत की भावना से दूर रहकर लक्ष्य पर ध्यान देना चाहिए। युवा उत्सव में कलाकारों ने नाटक के माध्यम से अभिनय की सुंदर प्रस्तुतियां दी। लोकनृत्य व लोकगीत के माध्य से प्रदेश की लोक संस्कृति से अवगत कराया। वहीं देश की एकता और अनेकता का चित्रण कर उत्तर, पूर्व, पश्चिम व दक्षिण भारत की सांस्कृतिक विरासत का मिश्रण देखने को मिला। कहीं गिटार की धुन, तबले की थाप, हारमोनियम के स्वरों ने दर्शको को झूमने पर मजबूर कर दिया। भारतीय लोक संस्कृति की शास्त्रीय नृत्य, कथक, भरत नाट्यम व उडीसी नृत्य पर कलाकारों की प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। महाविद्यालय नारनौल की ओर से प्रस्तुत नाटक 'टोबा टेक सिंह' के मंचन ने सभागार में बैठे दर्शकों की आंखे नम कर दिया।

आज होंगे ये इवेंट

युवा उत्सव के दूसरे दिन बृहस्पतिवार को भारत नाटयम, कथक आदि प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी जिनमें दो दर्जन से अधिक प्रतिभागी भाग लेंगे।

व्यक्तित्व विकास में कार्यक्रमों की अहम भूमिका

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन

अमर उजाला ब्यूरो

महेंद्रगढ़। सांस्कृतिक कार्यक्रम हमारे संस्कृति का आइना होते हैं। किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रतिभागिता करने से व्यक्ति का बौद्धिक विकास भी संभव होता है।

उक्त विचार हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय जांट-पाली में खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग की ओर से आयोजित जिला स्तरीय युवा उत्सव के शुभारंभ अवसर पर आरपीएस गुरप ऑफ एजुकेशन के संस्थापक निदेशक डॉ. ओपी यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए व्यक्त किए। डॉ. यादव ने कहा कि महेंद्रगढ़ जिला किसी समय पिछड़ा कहा जाता था परंतु अब यह क्षेत्र शिक्षा का हब बन चुका है। जिला सतरीय युवा उत्सव में 16 अलग-अलग सांस्कृतिक विधाओं में प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। विजेता टीमें 6 से 8 नवंबर तक अंबाला में आयोजित राज्य युवा उत्सव में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के संकाय अध्यक्ष प्रो. आशीष दहिया ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि हमें हार-जीत की भावना से दूर रहकर लक्ष्य पर ध्यान देना चाहिए।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के सभागार में आज जिला स्तरीय युवा उत्सव में कलाकरों ने जहाँ नाटक के माध्यम से अभिनय की सुंदर-सुंदर प्रस्तुतियां दी। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय व नारनौल से आए सांस्कृतिक संगीत के प्रतिभागियों ने भी सुर साधाना का परिचय दिया। राजकीय महाविद्यालय नारनौल की ओर से प्रस्तुत नाटक टोबा टेक सिंह के मंचन ने सभागार में बैठे दर्शकों की आँखों को नम कर दिया। रंगीला ग्रुप महेंद्रगढ़ द्वारा प्रस्तुत नाटक में हरियाणवी संस्कृति को दर्शाते हुए हमारे बिगडते हुए संस्कारों पर बखूबी व्यंग्य कसा गया। इस अवसर पर डॉ. बीर सिंह, डॉ. मनोज, डॉ. रेनू, डॉ. सिद्धार्थ, डॉ. दिनेश चहल, डॉ. आरती, सुदीप, विनय, वाईसीओ संदीप संघी, केसरी नंदन आदि थे

मुख्य अतिथि ओपी यादव को स्मृति चिह्न देते हुए खेल एवं युवा कार्यक्रम के अधिकारी।

जिला युवा उत्सव में नृत्य करती छात्राएं।